उरमूल रूरल हैल्थ रिसर्च एण्ड डवलपमेंट ट्रस्ट, बीकानेर

परियोजना रिपोर्ट

2020–2021

उरमूल भवन, रोडवेज बस स्टेण्ड के पास, बीकानेर

फोन नम्बर : 0151–2523093, **website** : urmul.org

Email : urmultrust@rediffmail.com, mail@urmul.org

कार्यक्रम विवरण

क्र.स.	विषय	पेज नम्बर
1.	चाइल्ड हैल्प लाइन–1098 Child India Foundation	3
2.	किशोर एवं किशोरियों के विकास अवसर हेतु अभियान एवं पैरवी UNICEF	4
3.	गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से बालिकाओं का सशक्तिकरण Save the Children Fund	5–6
4.	राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम Sightsavers	7
5.	महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र Govt.of Rajasthan	8
6.	कशीदाकारी क्षमतावधर्न प्रशिक्षण कार्यक्रम CAF-Charities Aid Foundation	9–10
7.	मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम CAF-Charities Aid Foundation	11
8.	राष्ट्रीय डेयरी विकास परियोजना,NDP-1 NDDB-World Bank	12–13
9.	उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम USHA International	14
10.	प्रज्जवला परियोजना Centre for Enviornment Education-CEE	15
11.	गर्ल्स नॉट ब्राईड्स कार्यक्रम Girls not Brides(GNB)	16
12.	पारम्परिक चारागाह मार्गो को पुर्नजीवित करना Food and Agriculture Organization(FAO)	17
13.	मरूगंधा परियोजना HDFC Bank-CSR	18–19
14.	शादी : बच्चों का खेल नहीं Save the Children Fund	20
15.	मरूधर में जन स्वावलम्बन कार्यक्रम EU-Unnati	21
16.	एनर्जी इनोवेशन्स इन डेजर्ट इको सिस्टम SELCO Foundation	22
17.	द कैमल पार्टनरशिप कार्यक्रम FWWB	23
18.	ग्रामीण बच्चों के डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम Malala Fund	24
19.	उरमूल प्राकृतिक रंगाई कलस्टर कार्यक्रम Indian Micro Enterprises Development Foundation(IMEDF)	25

चाइल्ड हैल्प लाइन,1098

परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर जिला
वितीय सहयोग	चाइल्ड लाइन इण्डिया फाउण्डेशन
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2011
सहयोगी संस्थाएं	उरमूल सेतु, लूणकरणसर, उरमूल सीमान्त,बज्जू, उरमूल ज्योति, नोखा
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना का संक्षिप्त परिचय : उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर द्वारा अगस्त 2011 से बीकानेर जिले के शहरी एवं ग्रामीण अंचलो में अपनी सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर चाइल्ड लाइन 1098 का संचालन किया जा रहा है। चाइल्ड लाइन की शुरूआत से ही बीकानेर के शहरी एवं दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में चाइल्ड लाइन का प्रचार प्रसार टीम के द्वारा नियमित व लगातार किया जा रहा है। चाइल्ड लाइन के प्रभावी कार्यो को देखते हुएं 01 दिसम्बर 2018 से बीकानेर रेलवे स्टेशन पर बाल सहायता केन्द्र–1098 का संचालन भी शुरू किया गया है।

मुख्य उद्देश्य : किसी भी पीडित बच्चे व जन समुदाय के द्वारा दी गई सूचना को प्राप्त कर कम से कम समय में बच्चें तक पहुंचना और सहायता करना, समस्याग्रस्त, असामाजिक गतिविधियो में लिप्त बच्चों का सहयोग एवं जरूरतमंद बच्चों की पहचान करना व इसकी सूचना समवर्गी विभागो को देकर समस्या का समाधान करवाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

केस प्रकार	चाइल्ड लाइन	रेलवे हैल्प डेस्क	कुल
1. हस्तक्षेप/सहायता			
चिकित्सकीय सहायता	28	00	28
आश्रय	02	00	02
आवासीय बच्चों के परिवार से सम्पर्क	00	00	00
पुनर्वास	06	00	06
शोषण से रक्षा	219	15	234
मृत्यु सम्बधित	00	00	00
स्पॉनसरशिप	206	02	208
2. गुमशुदा बच्चो के मामले			
लापता बच्चें	21	27	48
बच्चों के परिजनो द्वारा मांगी गई सहायता	15	03	18
3. भावनात्मक सहायता एवं मार्गदर्शन	407	13	420
कुल 1 से 3 तक	**904**	**60**	**964**
सूचना व अन्य प्रकार की सेवाओं के लिए	3267	537	3804
चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी	892	935	1827
प्रशासनिक कॉल	135	52	185
कुल –	**5257**	**1597**	**6854**

प्रतिवेदन अवधि में कुल 964 मामले दर्ज हुएं। इन में से 923 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। अभी केवल 41 मामले शेष है। बाल कल्याण समिति के माध्यम से 48 गुमशुदा बच्चों को आश्रय दिलवाया। जिस में से 44 बच्चों को परिजनों से मिलवा कर अपने घर भिजवा दिया है तथा अभी 04 गुमशुदा बच्चे किशोर गृह में अस्थाई आश्रय स्थल पर है।

किशोर–किशोरियों को विकास के अवसर के लिए अभियान व पैरवी कार्यक्रम

परियोजना का नाम	लाडो परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर एवं जोधपुर जिला
वितीय सहयोग	यूनिसेफ, राजस्थान
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2017
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–अगस्त 2020
परियोजना पूर्ण दिनांक	01 सितम्बर 2020

परियोजना परिचय : प्रदेश में व्याप्त बाल विवाह जैसी प्रथा को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से उरमूल ट्रस्ट एवं यूनिसेफ के द्वारा संयुक्त रूप से लाडो परियोजना का संचालन बीकानेर एवं जोधपुर जिले में किया जा रहा है। संस्था के द्वारा अगस्त 2017 से लाडो परियोजना का संचालन बीकानेर जिले के ब्लांक बीकानेर एवं श्रीडूंगरगढ के 129 गांव तथा जोधपुर जिले के ब्लॉक फलौदी एवं लोहावट के 116 गांवों में किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : क्षेत्र के गांवो के ग्रामीणों में जागृति लाकर उनकी स्व–प्रेरणा से बाल विवाह मुक्त गांव बनाने के प्रयास के साथ ही समाज में किशोर–किशोरियों को विकास के समान अवसर दिलाने के लिए क्षमतावर्द्धन एवं घर से लेकर जिला स्तर तक पैरवी करना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी विवरण		
			पुरूष/बालक	महिला/बालिका	कुल
1.	किशोरियो से सम्पर्क व बैठके–आनलाईन	30	00	3152	3152
2.	किशोर समूहो के साथ बैठक आयोजन	05	187	00	197
3.	अभिभावक समूहों के साथ बैठक आयोजन	00	160	70	230
4.	पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क	02	134	97	231
5.	जीवन कौशल प्रशिक्षण व आमुखीकरण	02	00	33	33
6.	बालक–बालिका एवं शिक्षक आमुखीकरण	07	00	2790	2790
7.	बाल विवाह रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम	02	170	80	250
8.	बाल दिवस सप्ताह का आयोजन	23	2710	1741	3451
9.	ओपन बोर्ड कोचिंग–बालिकाओं हेतु	00	00	120	120
10.	समाज के मौजीज लोगों के साथ बैठके	10	95	64	159
कुल		**81**	**3456**	**8147**	**10613**

विशेष :

- कोविड–19 काल के दौरान कोविड–19 से बचाव के लिए मोबाईल के माध्यम से बालिकओं को जागरुक करने का कार्य नियमित रुप से किया गया।
- कोविड–19 काल के दौरान बालिकाओं के साथ आनलाईन मिटिग एवं कार्यशालाएं आयोजित करके बालिका स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर जानकारी दी गई।
- पंचायत समितियों में ब्लॉक व पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति का गठन हो गया है।
- किशोर–किशोरी अपने मंच के माध्यम से अपने अधिकारों के लिए पैरवी करना प्रारम्भ हुएं है।
- ग्राम पंचायत बैठकों में बाल अधिकार एवं बाल विवाह रोकथाम के बारे में चर्चा होने लगी है।
- जनप्रतिनिधियों ने अपनी ग्राम पंचायत को बाल विवाह मुक्त घोषित करवाने हेतु प्रयास करने प्रारम्भ कर दिये है।

गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से वंचित बालिका सशक्तिकरण

परियोजना का नाम	गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से बालिका सशक्तिकरण
परियोजना का कार्यक्षेत्र	जोधपुर जिला
वितीय सहयोग	बाल रक्षा भारत
परियोजना प्रारम्भ	सितम्बर 2017
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालित है।

परियोजना परिचय : संस्था के द्वारा सितम्बर 2017 से गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से वंचित बालिकाओं का सशक्तिकरण परियोजना का संचालन जोधपुर जिले के 9 ब्लॉक मण्डोर, लूणी, बालेसर, शेरगढ, फलौदी, बाप ओसिया, भोपालगढ एवं बिलाडा में कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विधालयों के साथ किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विधालय में बालिकाओं के शैक्षिक व जीवन कौशल विकास करना एवं शिक्षा से वंचित बालिकाओं को उनकी उम्र के अनुसार कक्षा में प्रवेष का अधिकार दिलवाना।

परियोजना प्रगति विवरण : बेसलाईन सर्वे अपडेशन : नव प्रवेषित 163 बालिकाओं का बेसलाईन सर्वे किया गया। इन में से 233 बालिकाओं का स्तर गणित व हिन्दी में कमजोर पाया गया था।

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम संख्या	सम्भागी विवरण		
			पुरूष बालक	महिला बालिका	कुल
1.	अभिभावक बैठकों का आयोजन	30	405	327	732
2.	जिला स्तरीय संमीक्षा बैठक	05	11	48	59
3.	बेसलाईन सर्वे	09	00	263	263
4.	जिला निष्पादन समिति बैठकों में भागीदारी	08	104	53	157
5.	शिक्षिकाओं का ऑनलाईन विषयगत व जेण्डर प्रषिक्षण	01	00	42	42
6.	कोविड–19 बचाव हेतु बालिकाओं व अभिभावकों से फोन पर संपर्क	17	344	590	934
7.	कोविड–19 में बालिकाओं व अभिभावकों द्वारा मास्क व राषन वितरण	17	270	390	660
8.	ऑनलाईन अर्न्तराष्ट्रीय बाल दिवस सप्ताह आयोजन	02	55	80	135
9.	ऑनलाईन राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम आयोजन	09	227	344	571
10.	व्हाटस्अप ग्रुप बनाकर बालिकाओं को षिक्षण करवाया	09	00	391	391
11.	बालिकाओं को ऑनलाईन षिक्षण से जोडा गया	09	00	304	304
12.	सामुदायिक पुस्तकालय संचालन	27	00	785	785
13.	मोबाईल पुस्तकालय संचालन	01	370	485	855
	कुल	**144**	**1786**	**4102**	**5888**

अन्य गतिविधि विवरण :

क्र.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम संख्या	सम्भागी विवरण		
			पुरूष बालक	महिला बालिका	कुल
1.	ऑनलाईन शैक्षणिक बालिका मेलो का आयोजन	09	00	289	289
2.	बालिकाओं के ओपन स्कूल के फार्म भरवाकर षिक्षा से जोडा	09	00	199	199
3.	ऑनलाईन केरियर कॉउन्सलिग प्रषिक्षण	26	00	968	968
4.	एलुमिनाई मीटींग का आयोजन	09	00	231	231
5.	स्पोक स्कूल में पुस्तकालय स्थापित करना	08	671	731	1402
6.	केजीबीवी स्टॉफ समीक्षा बैठक	09	09	41	50
7.	बालिकाओं का थियेटर प्रशिक्षण	09	00	566	566
8.	SMC बैठक	09	45	90	135
9.	मीना मंच बैठकों का आयोजन	09	00	149	149
10.	शाला सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन	09	00	723	723
11.	ललिता बाबू चर्चा लीडर प्रषिक्षण	09	00	103	103
12.	के.जी.बी में HAPPY ROOM निर्माण करना	09	00	865	865
13.	शिक्षिकाओं का राज्य स्तरीय ऑन लाईन शिक्षण प्रशिक्षण	08	00	342	342
	कुल	**132**	**725**	**5297**	**6022**

विशेष :

- 27 सामुदायिक पुस्तकालय संचालन कर 785 बालिकाओं को शिक्षा से जोडे रखने का कार्य किया।
- नवाचार व ऑनलाईन शिक्षण में योगदान हेतु उपखण्ड अधिकारी ओसिया द्धारा सम्मानित।

राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम

परियोजना का नाम	राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लांक, बीकानेर, श्रीडूंगरगढ, कोलायत, लूणकरणसर एवं नोखा
वितीय सहयोग	साईटसेवर्स इन्टरनेशनल
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2014
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–दिसम्बर 2020
परियोजना पूर्ण दिनांक	31 दिसम्बर 2020

परियोजना परिचय : संस्था के द्वारा सितम्बर 2014 से राजस्थान सामाजिक समावेश परियोजना का संचालन बीकानेर जिले के 5 ब्लॉक, बीकानेर, श्रीडूंगरगढ, नोखा, कोलायत एवं लूणकरणसर में किया जा रहा है। जिले के 5 ब्लॉक में कुल चिन्हित 8 विकलांगताओं को लेकर सर्वे किया गया जिसमें कुल 7761 विकलांगो को चिन्हित किया गया। जिसमें 5510 पुरूष व 2251 महिलाएं है।

मुख्य उद्देश्य

- विकलोगो को आजीविका से जोडकर सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना।
- विकलांग अधिकार मंच का सशक्तिकरण।
- क्षेत्र में विकलांगो के अनुकुल वातारण तैयार एवं स्थापित करना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी विवरण		
			पुरूष	महिला	कुल
1.	सामुदायिक बैठकों का आयोजन	31	626	348	974
2.	जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजन	02	22	08	30
3.	विकलांग मंच ब्लॉक स्तरीय बैठक	53	571	194	765
4.	विकलांग मंच ब्लॉक स्तरीय बैठक	02	23	08	31
5.	जिला विकलांग अधिकार मंच सदस्य जोडे	–	1794	688	2482
6.	विकलांग अधिकार अधिनियम 2016 प्रशिक्षण	86	1541	540	2081
7.	सरकारी सेवाओं से लाभान्वित करवाये विकलांगों संख्या	–	996	330	1326

आर्थिक पुर्नवास/आजीविका से जोडे गये दिव्यांगजनों का विवरण : दिव्यांगों को आजीविका से जोडकर आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की प्रकिया के तहत सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जोडकर लाभान्वित करवाने के साथ ही इन्हे आजीविका का कार्य शुरू करवाया गया। प्रतिवेदन अवधी में आजीविका का कार्य शुरू करवाये गये दिव्यांगों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क्र. स.	जिले का नाम	ब्लॉक संख्या	आजीविका से जोडे गये विकलांगों की संख्या			विशेष विवरण
			पुरूष	महिला	कुल	
						दिव्यांगों को आजीविका से जोडने के तहत इस अवधी में दिव्यांगों को टेन्ट हाऊस, मनिहारी दुकान, स्टेशनरी व जनरल स्टोर, किराणा व परचून की दुकान, पशुआहार की दुकान, सिलाई कार्य, इलेक्ट्रीशियन का कार्य, वाहन रिपेयरिंग एवं पंचर निकाले का कार्य, कृषि कार्य एवं पशुपालन कार्य के लिए प्रशिक्षित करके कार्य शुरू करवाया गया है तथा सभी दिव्यांग अब नियमित रूप से अपना आजीविका का कार्य प्रभावी तरीके से कर रहे है।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, श्रीगंगानगर

परियोजना का नाम	महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र
परियोजनाकाकार्यक्षेत्र	श्रीगंगानगर
वितीय सहयोग	महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2014
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–दिसम्बर 2020
परियोजना पूर्ण दिनांक	01 जनवरी 2021 को परियोजना पूर्ण हो चुकी है।

परियोजना परिचय : प्रदेश में महिला उत्पीड़न के बढ़ते मामलों की रोकथाम और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत संस्था के द्वारा श्रीगंगानगर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का संचालन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य :

- पीडित महिला एवं अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों के साथ विचार–विमर्श से समस्या का आकलन और समाधान करवाना।
- महिला की इच्छा पर सम्बन्धित प्रकरण में एफ.आई.आर दर्ज करवाना।
- जिला महिला सहायता समिति के माध्यम से महिला को उपयुक्त सहायता दिलवाना।
- घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में सहयोग करना। जहॉ किसी प्रत्यर्थी के लिए न्यायालय के द्वारा पारित संरक्षण आदेश की अवहेलना करे वहॉ प्रत्यर्थी के विरूद्ध पुलिस के माध्यम से कार्यवाही करवाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

गतिविधि	कार्य प्रगति विवरण
व्यथित महिला को व्यक्तिगत सलाह ,मार्गदर्शन ,परामर्श	66
पारिवारीक सलाह ,मार्गदर्शन ,परामर्श	66
व्यथित महिला को उसके अधिकारों की जानकारी देना	66
कानूनी सलाह	66
एफ.आई.आर. दर्ज करवाने में सहयोग	07
वैवाहिक घर में रहने के व्यथित महिला के अधिकारों का संरक्षण	01
व्यथित महिला के बच्चों की अभिरक्षा में सहयोग	01
स्त्री धन वापसी में सहयोग	12
घरेलू हिंसा प्रकरणों में व्यथित महिला को घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 के अंतर्गत उचित सलाह ,मार्गदर्शन एवं सहायता	66
दहेज प्रकरण में उचित कार्यवाही में सहयोग	04
पारिवारिक विघटन एवं तलाक जैसी परिस्थितियों में उचित मार्गदर्शन	14

मुख्यमंत्री हैल्प लाईन से प्राप्त परिवादों का निस्तारण : उपरोक्त विवरण के परिवादों के अलावा श्रीगंगानगर जिले में संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र पर माननीय मुख्यमंत्री हैल्प के माध्यम से प्राप्त 42 परिवादों का फोलोअप करके इनका निस्तारण किया जाकर मुख्यमंत्री हैल्प लाईन को अवगत करवाया गया।

कशीदाकारी क्षमतावधर्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

परियोजना का नाम	कशीदाकारी क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षणकार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लॉक, कोलायत एवं बीकानेर, जिला–बीकानेर
वितीय सहयोग	कैफ(CAF)
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2016
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजनापरिचय :ग्रामीण क्षेत्र के दस्ताकारों की क्षमतावर्धन के उददेश्य से उरमूल ट्रस्ट, बीकानेरऔरकैफ के द्वारासंयुक्त रूप से कार्यक्रमका संचालनबीकानेर,जोधपुर एवं चूरू जिलोंमेंकियाजारहाहै।

मुख्य उद्देश्य :

- नए समुदाय के सदस्यों को कटाव, बीडवॉल, सिलाई, बंधेज एंव रंगाई के हस्तशिल्प कार्य से जोड़ना।
- कारीगरों का उद्यम कौशल विकसित करना एंव बाजार व व्यापार की मुख्य धारा में एकीकृत करना।
- अधिक गतिशील और टिकाऊ विकास की दिशा में आजीविका की पहल के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मसम्मान और वित्तीय स्वंत्रता की ओर ले जाना।
- कारीगरों के व्यापार में वृद्वि और शिल्प अर्थव्यवस्था से उद्यमियों को लैस करके, शहरी केन्द्रों की और बढते ग्रामीण प्रयास को नियत्रित करना और कौशल की कमी को रोकने के प्रयास करना।
- ग्रामीण शिल्प कौशल में लगे समुदायों के सामाजिक विकास में सुधार।
- अपने प्रयासो की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण सभी कारीगरों के लिए नियमित काम सुनिश्चित करने के लिए नये मार्केटिग चैनल विकसित करना

परियोजना प्रगति विवरण : वेबिनार

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सभ्भागी विवरण		
			पुरूष	महिला	योग
1.	बीडबॉल प्रशिक्षण	3	.	60	60
2.	ब्लॉक प्रिन्टिग प्रशिक्षण	3	.	62	62
3.	मुक्का कशीदा प्रशिक्षण	2	.	42	42
4.	प्राकृतिक रंगाई प्रशिक्षण	3	.	61	61
5.	टाई डाई प्रशिक्षण	8	.	168	168
6.	बुनाई प्रशिक्षण	4	21	38	59
7.	डिजिटल प्रशिक्षण	5	7	106	113
8.	प्रोडक्ट डेवलपमेन्ट प्रशिक्षण	4	.	90	90
9.	बिजनेश मेनेजमेन्ट प्रशिक्षण	2	2	10	12
10.	*वेबिनार*	4	15	37	52

- नियमित समुदाय की बैठको का आयोजन कर उनकी शक्तियों और कमजोरियों की पहचान के लिए आधारभूत सर्वेक्षण किया गया। इनमें से चयनित लोगो में परियोजना को कार्यान्वित करने के

लिए कार्य योजना विकसित की तथा डेटा संग्रह के माध्यम से 719 लाभार्थियों की पहचान और कारीगरों के डिजिटल डेटा बेस तैयार किया गया।

- नये कारीगरों के लिए 15 दिवसीय ग्रामीण स्तर का प्रशिक्षण कटाव, क्रोशिया, ब्लॉक प्रिन्ट, बंधेज एवं बुनाई व रंगाई के लिए किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम सें नए कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया।
- 90 पुराने कारीगरों के नये उत्पादन बनाने के प्रशिक्षण का आयोजन विभिन्न चरणों में किया गया। जिसमें कढाई कारीगरों को कौशल सुधार के लिए प्रशिक्षित किया गया।
- 113 नये एवं पुराने कारीगरों को कम्पयूटर के बारे में प्रशिक्षित करके क्षमतावर्द्धन एवं कौशल विकास का कार्य किया गया है ताकि कारीगर आधुनिक युग की कार्य प्रणाली से परिचित होकर अपने कार्यो को बेहतरीन ढंग से कर पाएं।

मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम

परियोजना का नाम	मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	कोलायत ब्लॉक, जिला–बीकानेर एवं जायल ब्लॉक, जिला–नागौर
वितीय सहयोग	कैफ (CAF)
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2016
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	31 मार्च को परियोजना पूर्ण हो चुकी है।

परियोजना परिचय : मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ कृषि के लिए किसानो को प्रशिक्षित करने के उददेश्य से उरमूल ट्रस्ट बीकानेर के द्वारा कैफ के वितीय सहयोग से कार्यक्रम का संचालन बीकानेर जिले के ब्लॉक कोलायत व नागौर जिले में किया जा रहा है। संस्था के द्वारा अप्रेल 2016 से इस कार्यक्रम का संचालन बीकानेर जिले के ब्लॉक कोलायत के बज्जू क्षेत्र 20 गांवो तथा अप्रेल 2018 से नागौर जिले के 16 गॉवो में कुल 36 गांवो में कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य :

- मॉडल फार्म तैयार एवं विकसित करना व वर्षा जल संरक्षण एवं सोलर ग्रिड की स्थापना करना।
- 550 किसानों को टिकाऊ एवं जैविक खेती के लिए प्रशिक्षित करना व व्यवहारिक जानकारी देना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी विवरण		
			पुरूष	महिला	कुल
1.	पशुपालक प्रशिक्षण	03	60	10	70
2.	टिकाऊ कृषि प्रशिक्षण	06	180	70	250
3.	किचन गार्डन प्रशिक्षण	10	200	170	370
4.	कैटल फीड प्रशिक्षण	01	42	08	50
5.	किसान क्लब बीज भंडार प्रशिक्षण	02	60	40	100
6.	किसान प्रशिक्षण एवं बाजरा वितरण,	01	35	10	45
7.	दुग्ध सैम्पल एवं क्वालिटी जॉच प्रशिक्षण	01	30	05	35
8.	जैविक दवाई एव वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण	01	40	00	40
9.	फिल्ड स्तरीय किसान प्रशिक्षण	07	105	25	130
10.	एक्सपोजर विजिट	01	50	00	50
11.	स्कूली बच्चो के साथ सत्र	02	350	150	500

डेयरी विकास कार्य छोटे स्तर पर : कम लागत वाली स्थानीय सामग्री और पारम्परिक संरचात्मक तकनीकों का उपयोग करके गायों के रहने एवं सर्दी, गर्मी एवं वर्षा ऋतु से बचाव के उद्देष्य से उरमूल सीमान्त समिति, परिसर में एक 50 गुणा 30 साईज का अत्याधुनिक छपरे का निर्माण किया गया। इस छपरे में गौमूत्र इकट्ठा करने के लिये एक टैंक भी बनाया गया है जिसमें गायो के गौमूत्र संचय किया जाता है।

ऑर्गनिक फर्टिलाईजर यूनिट : उरमूल फार्म हाउस व क्षेत्र के किसानों को ऑर्गनिक फर्टिलाईजर बनाने के तरीको के उद्देश्य से उरमूल परिसर, बज्जू में एक यूनिट स्थापित की गई है। इस यूनिट में जीवाअमृत बनाने एव जैविक खाद बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। मशीन से प्रतिदिन 20 क्विंटल बनायी जा सकती है।

मिल्क प्रोसेसिंग सेन्टर : उरमूल बज्जू में 70 गुणा 40 की बिल्डिंग मिल्क प्रोसेसिंग सेन्टर का निर्माण करवाया गया जिसमें बज्जू क्षेत्र के किसानो जो सीड बैक एवं सतत कृषि कार्यक्रम से जुड़े हुए उनके पशुओ के उत्पाद को मार्केट से जोड़ने एवं दुध के प्रोडेक्ट तैयार करने के उदेश्य से 1000 लीटर की BMC स्थापित की गई है।

अन्य गतिविधि : कैटल शैड का निर्माण किया गया है। जिसमें 26 गायों को एक साथ रख सकते है। इसके साथ ही एक कैटल फीड यूनिट लगाई गई है जिसमें पशु आहार तैयार किया जाता है। इसके अलावा एक सोलर ड्राई यूनिट भी लगाई गई है जिसमें मोरिगा, हरा चारा, सांगरी एवं कैरी आदि को सुखाकर तैयार किया जाता है।

मिल्क डेयरी का शुभ्भारम किया गया जिसमें 500 किसानो ने भाग लिया और उच्च क्वालिटी एव गुणवता का दुग्ध उपलब्ध करवाने में सहमती दी।

राठी नस्ल सुधार परियोजना,RGM

परियोजना का नाम	राठी नस्ल सुधार परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर जिले का लूणकरणसर, बीकानेर ,श्रीडूंगरगढ ब्लॉक, छतरगढ़
वितीय सहयोग	राष्ट्रीय गोकुल मिशन एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2019
सहयोगी संस्थाएं	राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड,जयपुर राजस्थान सहकारी डेयरी संघ, जयपुर एवं राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना के पूर्व में एन.डी.पी.–प्रथम परियोजना के तहत 2013 से 2019 तक राठी नस्ल सुधार परियोजना को संचालित किया गया। इसी परियोजना को आगे बढाते हुएं राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत राठी नस्ल सुधार परियोजना का संचालन अप्रेल 2019 से बीकानेर जिले में किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य :

- राठी नस्ल की गायों का संरक्षण एवं बढावा देना एवं कृत्रिम वीर्यदान के लिए पशुपालको व किसाानो को प्रोत्साहित करना।
- प्रति पशु दुग्ध उत्पादन की क्षमता को बढाना व उत्कृष्ट राठी नस्ल के सांडो का उत्पादन करना।
- उत्कृष्ट राठी नस्ल के सांडो को सीमन बैंक को उपलब्ध करवाना एवं पशुपालको को न्यूनतम राशि पर राठी नस्ल कृत्रिम गर्भाधान की सेवाएं उपलब्ध करवाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क्र.स.	गतिविधि	संख्या
1.	परियोजना में सम्मलित गांव	159
2.	परियोजना के तहत सर्वे किये गये गांव	25
3.	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कार्यकर्ता	25
4.	कृत्रिम गर्भाधान स्थापित केन्द्र	25
6.	वर्तमान में कृत्रिम गर्भाधान किये जा रहे गांव	159
7.	अब तक किये गये कृत्रिम गर्भाधान	13345
8.	अब तक परियोजना के तहत शामिल पशु	9057
9.	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कार्यकर्ता का मोबाईल इनाफ एप्प प्रशिक्षण	25
10.	दुध मापन हेतू स्मार्ट वेहिंग स्केल मशीन कार्यकर्ता का प्रशिक्षण	25
11.	बाझपन निवारण शिविरों का आयोजन	47
12.	बाझपन निवारण शिविरों से लाभान्वित पशु	620
13.	किसानो के साथ कार्यक्रम विस्तार प्रोग्राम	47
15.	किसानो के साथ विस्तार प्रोग्राम से लाभान्वित	620
16.	कॉफ रैली में शामिल होने वाले पशुओं की संख्या	620
17.	गांव स्तरीय समिति गठन	25
18.	दूध मापन किये जा रहे पशुओं की संख्या	908
19.	कुल दूध मापन	4423
20.	कुल दूध टेस्टिग	4423
21.	परियोजना प्रबन्धन समिति बैठक	03
22.	कृत्रिम गर्भाधान किये गये पशुओं की संख्या	9057
23.	कृत्रिम गर्भाधान से प्राप्त पशुओं की संख्या	1329

कॉफ रियेरिंग सेन्टर :

उरमूल पी.एस.राठी एन.डी.पी.–प्रथम परियोजना के तहत इस परियोजना के पूर्व में 2013 से 2019 तक राठी नस्ल सुधार परियोजना को संचालित किया गया। इसी परियोजना को आगे बढाते हुएं राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत राठी नस्ल सुधार परियोजना के कॉफ रियेरिंग सेन्टर का संचालन अप्रेल 2019 से उरमूल सेतु संस्थान, लूणकरणसर के कैम्पस मे किया जा रहा है। कॉफ रियेरिंग सेन्टर मे पशुपालक से खरीदे गए कॉफ को रखा जा रहा है। कॉफ रियेरिंग सेन्टर में परियोजना क्षेत्र के पशुपालको के द्वारा पाले गये बछडों को लिया जाता है। पशुपालकों से बछडों की खरीद के समय बछड़ो में होने वाली प्रमुख बीमारियो की जांच की जाती है। इस डिजीज टेस्टिग में मुख्य रूप से केरियोटाइपींग, ब्रूसोलीस, बी.वी.डी आइ.बी.आर. और टीबी.जेडी.शामिल होती है। डिजीज टेस्टिग के अलावा पेरेन्टेज टेस्टिग, डी–वॉर्मिंग और टीकाकरण इत्यादि। इस प्रकार की गई सभी जांचो में सफल हुएं बछड़ो को कॉफ रियेरिंग सेन्टर पर लाया जाता है। अभी वर्तमान समय मे 1 अच्छी गुणवता के राठी नस्ल के बछड़े लूणकरनसर कॉफ रियरिंग सेन्टर मे मौजूद है।

कॉफ रियेरिंग सेन्टर से अब तक 6 उच्च गुणवता के बछड़े बेचे जा चुके है। पशुपालक से लाने के बाद बछड़ो को सेन्टर पर 3 माह तक रखा जाता है और समय–समय पर इनकी स्वास्थ्य की जांच भी होती है। सेन्टर पर लाएं गए बछड़ो को बेचने हेतु सूचना राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से विभिन्न सीमन सेन्टरों को भेजी जाती है और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मार्फत तय किए गए सीमन सेन्टर को बछड़े बेचे जाते है ताकि बीमारी मुक्त और अच्छी गुणवता के सीमन का उत्पादन किया जा सके।

बुल्स ब्रिकी का विवरण :

क्र.स.	स्थान का नाम	संख्या
1.	ए.बी.सी.सलून सीमन स्टेशन, रायबरेली	02
2.	नारवा सीमन स्टेशन, जोधपुर	02
3.	पशुधन विभाग, मध्यप्रदेश	02
कुल		**06**

उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम

परियोजना का नाम	उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, नागौर,जोधपुर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, बांसवाडा एवं करौली जिले
वितीय सहयोग	उषा इन्टरनेशनल
परियोजना प्रारम्भ	मार्च 2012
सहयोगी संस्थाएं	उरमूल सेतु, उरमूल सीमान्त, सहज संस्थान, प्रयास संस्थान एवं एकट बोघग्राम
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : उषा सिलाई स्कूल परियोजना का संचालन मार्च 2012 से राजस्थान के 08 जिलो में उषा इन्टरनेशनल के वितीय सहयोग से किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर गांव स्तर पर सिलाई स्कूलों का संचालन करना एवं महिलाओं को आजीविका से जोडकर आर्थिक रूप से सशक्तिकरण करना है।

परियोजना प्रगति विवरण : क्लासिकल एवं सेटेलाईट सिलाई स्कूल संचालन किया जा रहा है जिसका विवरण इस प्रकार से है :

क.स.	विवरण	क्लासिकल सिलाई स्कूल	सेटेलाईट सिलाई स्कूल	कुल सिलाई स्कूल
1.	कोलायत, बीकानेर	28	42	70
2.	श्रीडूंगरगढ, बीकानेर	06	34	40
3.	लूणकरणसर, बीकानेर	04	16	20
4.	बीकानेर	06	27	33
5.	पोकरण, जैसलमेर	20	81	101
6.	श्रीगंगानगर	15	79	94
7.	हनुमानगढ	20	92	112
8.	नागौर	10	38	48
9.	बासवाडा	10	32	42
10.	जोधपुर	32	91	123
11.	करौली	12	30	42
12.	बाडमेर	20	96	116
	कुल	**183**	**658**	**841**

संचालित स्कूलों एवं पंजीकृत व प्रशिक्षण प्राप्ति का विवरण :

क स	विवरण	क्लासिकल स्कूल	सेटेलाईट स्कूल	कुल
1.	संचालित केन्द्र व मशीन उपलब्धता	183	658	841
2.	कुल पजीकृत महिलाएं एवं बालिकाएं	1290	3070	4360
3.	प्रशिक्षण पूर्ण कर चुकी महिलाएं एवं बालिकाएं	1097	2597	3694

स्कूल संचालिकाओं की आमदनी का विवरण :

क स	विवरण	क्लासिकल स्कूल	सेटेलाईट स्कूल	कुल
1.	प्रशिक्षण फीस से केन्द्र संचालिकाओं की आय	76,800	9,92,000	10,68,800
2.	कपडे सिलाई से केन्द्र संचालिकाओं की आय	11,65,600	37,33,700	48,99,300
3.	मशीन रिपेयरिंग से आय	2,450	12,715	15,165
	कुल राशि	**12,44,850**	**47,38,415**	**59,83,265**

प्रज्जवला परियोजना

परियोजना का नाम	प्रज्जवला परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	जोधपुर, बाडमेर एवं जैसलमेर जिला
वितीय सहयोग	सी.ई.ई.(सेन्टर फॉर इनवायरमेंट एजुकेशन)
परियोजना प्रारम्भ	जून 2019
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विधालय में जल प्रबन्धन, स्वच्छता एंव स्वास्थ्य के प्रति बालिकाओं को जागरूक कर उन आदतों को जीवन में लागू करने के उद्देश्य से उरमूल ट्रस्ट ,बीकानेर और सी.ई.ई. (सेन्टर फॉर इनवायरमेंट एजुकेशन) के द्वारा संयुक्त रूप से प्रशिक्षणों, बैठकों व स्व–मूल्याकन विधि के माध्यम से बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिये **प्रज्जवला** परियोजना का संचालन जून 2019 से जोधपुर जिले के 09 केजीबीवी,बाडमेर जिले के 06 केजीबीवी तथा जैसलमेर जिले के 03 केजीबीवी सहित कुल तीनों जिले की 18 कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विधालयों के साथ किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विधालय में जल प्रबन्धन, स्वच्छता एंव स्वास्थ्य के प्रति बालिकाओं को जागरूक कर उन आदतों को जीवन में लागू करना एवं बालिकाओं को पढाये जाने वाले विषयों को जल प्रबन्धन व स्वच्छता एंव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण से जोडकर मजबूत समझ बनाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क्र.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम संख्या	सम्भागी विवरण		
			बालिका	शिक्षिका,स्टाफ अधिकारी	कुल
1.	ऑन लाईन जल प्रबन्धन, स्वच्छता एंव स्वास्थ्य तथा स्वच्छ पर्यावरण पर आमुखीकरण	18	302	27	329
2.	ब्लॉक स्तरीय संमीक्षा बैठकों में भागीदारी	36	00	72	72
3.	ऑन लाईन विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाना	18	204	26	228
4.	ऑन लाईन विश्व पर्यावरण दिवस मनाना	18	233	20	253
5.	जल प्रबन्धन, स्वच्छता एंव स्वास्थ्य का प्लान बनवाना	18	346	33	379
6.	किचन गार्डनिंग विकसीत करवाना	13	00	58	58
7.	व्हाटसअप ग्रुप बनाकर बालिकाओं को कचरा प्रबंधन का प्रशिक्षण करवाना	18	378	33	411
8.	ऑन लाईन राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन	18	216	18	234
9.	ऑन लाईन शैक्षिक किशोरी बालिका मेलों का आयोजन	18	417	22	439
10.	जिला स्तरीय संमीक्षा बैठकों में भागीदारी	06	00	144	144
11.	वाशिंग कोर्नर का निर्माण करवाना	05	497	00	497
12.	एप्रिन , दस्ताने,स्कार्फ का वितरण	18	00	72	72
13.	कपडे धोने का स्टेण्ड बनवाना	01	100	00	100
14.	मास्क,जल स्वास्थ्य एंव स्वच्छता कलेण्डर वितरण	18	1769	91	1869
15	ऑन लाईन कबाड से जुगाड गतिविधि करवाना	18	393	57	450
	कुल	**241**	**4855**	**673**	**5535**

गर्ल्स नॉट ब्राइड्स् कार्यक्रम

परियोजना का नाम	गर्ल्स नॉट ब्राइड्स कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	राजस्थान राज्य
वितीय सहयोग	जी.एन.बी.(गर्ल्स नॉट ब्राईड्स)
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2015
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : गर्ल्स नोट ब्राइडस् 95 देशों के 1000 से अधिक सामाजिक संगठन, जो बाल विवाह समाप्त करने के लिए वचनबद्ध हैं का ग्लोबल साझेदारी संगठन है। इसकी स्थापना सितम्बर 2011 में हुई। राजस्थान में गर्ल्स नॉट ब्राईड्स के अध्यक्ष, उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर के सचिव श्री अरविन्द ओझा थे। इस नेटवर्क में राजस्थान के हर क्षेत्र से स्वैच्छिक संस्थाएं जुडी हुई है जो बाल विवाह रोकथाम, मुक्ति एवं बाल अधिकार सरंक्षण के लिए प्रयासरत है। राजस्थान में जी.एन.बी. नेटवर्क के तहत 17 संस्थाएं सदस्य है।

मुख्य उद्देश्य : संस्थाओं के ग्लोबल स्तर से साझा प्रयासों के द्वारा बाल विवाह रोकथाम, मुक्ति एवं बाल अधिकार सरंक्षण के लिए फिल्ड स्तर पर प्रभावी कार्य करना एवं प्रशासनिक स्तर के अधिकारियों के साथ समन्वयन स्थापित कर सरकार के एजेण्ड में बाल विवाह मुक्त प्रयास को शामिल करवाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी संस्थाएं	संस्था प्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी व बालिकाएं
1.	कोविड–19 प्रभाव व आवश्यकता एक दिवसीय बैठक 30 अप्रेल 2020	01	20	26
2	युवाओं पर कोविड–19 के प्रभाव की जानकारी व युवा नीति का प्रस्तुतीकरण 18 मई 2020	01	15	63
3	बालिका विवाह की न्यूनतम आयु 21 वर्ष, कितना सही कितना गलत–संवाद 26 जून 2020	01	10	15
4	युवा–अपना वर्तमान अपना भविष्य सर्वे	01	20	600
5	11 दिवसीय (01–11 अक्टूबर 2020) अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस लांच समारोह 01 अक्टूबर 2020	01	26	150
6	11 दिवसीय (01–11 अक्टूबर 2020) अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस आयोजन	11	26	2500
.7	स्टेयरिंग कमेटी बैठक	06	10	50
8	वार्षिक साधारण सभा का आयोजन	01	28	55

स्टोरी टेलिंग प्रशिक्षण : कार्यक्रम के तहत कोविड–19 के दौरान स्टोरी टेलिग व डाटा संग्रहण प्रशिक्षण का ऑनलाईन आयोजन।इसमें नेटवर्क से जुडी राजस्थान की 17 संस्थाओं के 27 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कोविड–19 का किशोरियों पर असर का अध्ययन : राजस्थान में किशोरियों पर कोविड–19 काल में हिंसा के प्रभाव को लेकर नेटवर्क की संस्थाओं ने अपने अपने कार्यक्षेत्र में मई 2020–15 सितम्बर 2020 तक अध्ययन किया। अध्ययन में 17 सहयोगी संस्थाओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अध्ययन की एक अन्तिम रिपोर्ट डेर्जट रिर्सोस सेन्टर के सहयोग से तैयार कर जी.एन.बी. लंदन को प्रस्तुत की गई।

बालिकाओं का ऑललाईन आमुखीकरण : कोविड कॉल में सदस्यों व लक्ष्य समूह के साथ संचार के विभिन्न माध्यमों फोन, व्हाटसएप, गूगल मीट आदि से सम्पर्क किया गया।

पारंपरिक चरागाह मार्गो को पुनर्जीवित करना

परियोजना का नाम	पारंपरिक चरागाह मार्गो को पुनर्जीवित करना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लॉक, लूणकरणसर, जिला, बीकानेर
वितीय सहयोग	खाद्य एवं कृषि संगठन-FAO
परियोजना प्रारम्भ	जनवरी 2020
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : परियोजना का संचालन संयुक्त राष्ट्र खादय एवं कृषि संगठन के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पशुओं का समय पर टीकाकरण एवं पशु प्रबन्धन किस प्रकार से करे, जिससे छोटे पशुपालको की आर्थिक हानि को कम कर आय मे वृद्वि कर, आर्थिक विकास के रूप में स्थापित कर पाये।

मुख्य उद्देश्य : चराई के परम्परागता मार्गो को पुर्नजीवित करना तथा चरागाह विकास कर पलायन करने वाले पशुपालको को सुविधा प्रदान करना एवं पशुपालक को आजीविका से जोडते हुएं आर्थिक संसाधन के रूप में परिवर्तीत करने का प्रयास है।

परियोजना प्रगति विवरण–सर्वेक्षण का कार्य **:**

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक का नाम	सर्वेकृत गांवो की संख्या	सर्वेकृत पशुपालको की संख्या	सर्वेकृत पशुओं की संख्या
1.	बीकानेर	लूनकरणसर	36	556	40360

गतिविधी आयोजन विवरण :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी विवरण		
			पुरूष	महिला	कुल
1.	पशुपालकों के साथ सम्पर्क एव गांव स्तरीय बैठक	27	822	83	905
2.	पशु प्रबन्धन प्रशिक्षण आयोजन	06	178	00	178
3.	पशु स्वास्थ्य व टीकाकरण शिविर आयोजन	04	30	06	36
कुल		**37**	**1030**	**89**	**1119**

पशु स्वास्थ्य व टीकाकरण शिविर आयोजन :

क.स.	स्थान	लाभान्वित विवरण	
		पशुपालक	पशु–भेड व बकरी
1.	कालू,ढाणी भोपालाराम,रावासर एवं नकोदेसर सहित–04 स्थानों पर शिविर आयोजन	148	14143
कुल		**148**	**14143**

- **फैसिग कार्य :** केला ,कालू व ढाणी भोपालराम के सीपीआर के 390 बीघा चरागाह भूमि मे फैसिंग का कार्य किया गया। इस कार्य में लेबर सरकार के मनरेगा कार्यक्रम के तहत ली गई एव केला सी.एफ.सी निर्माण कार्य पर्ण किया गया।
- **नर्सरी स्थापना :** उरमूल कैम्पस, लूनकरणसर परिसर मे 6000 हजार पौधो की नर्सरी तैयार की गई।
- कालू ,रजासर भाटीयान, केला व ढाणी भोपालाराम में 9000 हजार पौधे एवं 130 बीघा भूमि पर सेवण घास लगई गई। इस कार्य में लेबर सरकार के मनरेगा कार्यक्रम के तहत ली गई।
- कालू में 02 ,ढाणी भोपालारामे मे 01 एवं केला मे 01 जल कुण्ड निमार्ण का कार्य किया गया।
- कालू मे सीएफसी सेन्टर का निमार्ण कार्य पूर्ण किया गया एव केला में शुरू किया गया।
- कोविड–19 के दौरान 203 पशुपालको को राशन किट वितरण किये गये।
- सरकार के मनरेगा कार्यक्रम के तहत 04 सीपीआर के लिए 122 लाख की राशि स्वीकृत करवाई।
- कुण्ड केला सीएफसी पर बनाकर छत से लिकेंज किया गया। कालू मे सीएफसी सेन्टर का निमार्ण कार्य पूर्ण किया गया।
- पौधो को पानी पिलाने का कार्य निरन्तर किया जा रहा है।

एच.आर.डी.पी.परिवर्तन मरूगंधा परियोजना

परियोजना का नाम	एच.आर.डी.पी.परिवर्तन मरूगंधा परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लॉक, पोकरण, जैसलमेर जिला
वितीय सहयोग	एच.डी.एफ.सी बैंक,सी.एस.आर.–मुम्बई
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल–2019
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन एच.डी.एफ.सी.बैंक के सी.एस.आर.के सहयोग से अप्रेल 2019 से जैसलमेर जिले के पोकरण उपखण्ड की 5 ग्राम पंचायतों के 14 गांव में किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : थार रेगिस्तान के ग्रामीणों की आवश्यकताओं का प्राथमिकीकरण करते हुए उनका स्थाई आजीविका संवर्धन के माध्यम से समावेशी विकास करना तथा क्षेत्र की चुनौतियों का स्थाई रूप से समाधान करना!

- बच्चों के स्वास्थ्य–स्वच्छता, पोषण और भोजन के प्रति परिजनों और समुदाय में जागरूकता लाना एवं बच्चों और युवाओं विशेष रूप से किशोरी बालिकाओं को जीवन कौशल, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य का ज्ञान और मासिक धर्म और स्वच्छता हेतु जागरूक करना।
- बुनकरों, ऊंटपालकों और ग्रामीणों में व्यापारिक क्षमताव़र्द्धन करना और उनके व्यापार बढावे हेतु बाजार से जुड़ाव करवाना एवं नए अवसरों को बढ़ाने के लिए नए विचार का चयन करना ताकि शहरों की ओर हो रहे पलायन का रोका जा सके।
- ऊंट पालकों के लिए आय के अवसरों को बढ़ाने के लिए कार्य क्षेत्र में ऊंटनी के दूध के मूल्यवर्धन हेतु कलस्टर का विकास करना।
- महिलाओं में वित्तीय साक्षरता, बचत, बैंकिग कार्यो हेतु क्षमतावर्द्धन करना तथा उन्हे अवसर प्रदान करने हेतु प्रारंभिक वित्तीय सहायता उपलब्धता करवाना और बुनकरों और कारीगरों को उरमूल के आयवर्द्धन कार्यक्रम से जोड़ना।
- पारंपरिक जलस्त्रौतो के संरक्षण और उपयोगिता हेतु समुदाय को जागरूक करना और छोटे और मंझले आकार वाले घरों में वर्षाजल संरक्षण हेतु टांको का निर्माण करवाना।
- इको टूरिज्म को बढावा देना व कला मंच के माध्यम से जागरूकता लाना।

परियोजना प्रगति विवरण : ***आजीविका गतिविधि :***

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी विवरण	
			ऊंट पालक	कुल
1.	ऊँट पालकों को जोड़ने हेतु बैठकें व सम्पर्क	20	344	344
2.	दुग्ध संग्रहण, मूल्य श्रृंखला, गुणवत्ता एवं स्वच्छता प्रशिक्षण	09	210	210
3.	ऊंटनी के दूध हेतु केन्द्र विकसित करना	01	283	283
4.	ऊँट पालक फेडरेशन गठन	01	240	240
5.	कैमल मिल्क यूनिट डवलपमेंट	01	350	350
6.	पशु स्वास्थ्य व टीकाकरण शिविर	20	17323	17323
7.	सामुदायिक सामान्य स्वास्थ्य जॉच शिविर	14	829	829
8.	बायो गैस व वेस्ट कम्पोजिट यूनिट स्थापना	.01	04	04

आर्ट एवं क्राफ्ट कार्यक्रम :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम संख्या	सम्भागी विवरण	
			प्रशिक्षण अवधि दिवस	लाभार्थी संख्या
1.	कट वर्क एवं राली प्रशिक्षण आयोजन	07	15	125

2.	उत्पादन निर्माण व मार्केट कनेक्ट	02	09	46
3.	मार्केट शो–केश	01	03	19
4.	गांव स्तरीय क्राफ्ट सेन्टर निर्माण	05	–.	140

सामुदायिक पर्यटन को बढावा देने हेतु मार्केट लिकेंज : परियेाजना के अन्तर्गत विकसित सामुदायिक पर्यटन को बढावा देने, बाजार से जुडाव व प्रचार–प्रसार के लिए जैसलमेर जिला स्तर पर विभिन्न होटल व्यावसायियों से चर्चा की गई। इसके अलावा टूरिज्म कार्यक्रम की वैब साईड, ब्रौसर, प्रचार–प्रसार सामग्री निर्माण एवं नियमावली इत्यादि ताकि टूरिज्म के कार्य को बेहतरीन ढंग से संचालित किया जाकर स्थानीय लोगो की आजीविका में वृद्वि करने के साथ ही उन्हे आर्थिक सशक्तिकरण दिशा में आगे बढाया जा सके।

इको टूरिज्म कार्यक्रम :

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम बैठक संख्या	सम्भागी विवरण	
			लाभार्थी	कुल
1.	चयनित 10 परिवारों का आमुखीकरण	06	40	40
2.	इको टूरिज्म हेतु परिवारों को बुनियादी ढांचा विकसित करना	10	57	57
3.	उच्च स्तरीय आतिथ्य सत्कार, गुणवत्ता व मानक प्रशिक्षण	04	57	57

शिक्षा कार्यक्रम :

मरूगंधा परियोजना अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र में विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण और शिक्षण क्षेत्र में नवाचार तथा बच्चों की विद्यालय में नियमितता हेतु विभिन्न प्रयास किये गये। जिनके सकारात्मक परिणाम आने शुरू हो गये है।

क.स.	गतिविधि का विवरण	कार्यक्रम संख्या	सम्भागी विवरण	
			लाभार्थी	कुल
1.	अभिभावक आमुखीकरण व अनियमित बच्चों का चिन्हिकरण	14	450	450
2.	कोंचिग कक्षाओं का संचालन व केरियर मार्गदर्शन	8	250	250
3.	विद्यालय प्रबंधन समिति का क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	12	150	150
4.	बालिका समूहों का सशक्तिकरण	30	175	175
5.	सरकारी विदयालय को मॉडल विद्यालय के रूप में विकासित करना	02	800	800
6.	मॉडल आंगनवाडी केन्द्रों का निर्माण	03	120	120
7.	गांव स्तर पर बच्चो के साथ जानकारी व जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियां	52	3750	3750

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम :

क.स.	गतिविधी	सख्या	लाभार्थी परिवार	लाभार्थी सदस्य
1.	जल कुण्ड निर्माण	79	79	395
2.	जल कुण्ड मरम्मत	10	10	50
3.	जल स्रौतों नाड़ी की खुदाई व सफाई	05	264	5000
4	जैविक बीज व खाद वितरण	14	100	500
5	चारा यूनिट विकास	2	2	20
6	फलदार पौधों का बगीचा विकास	14	51	256
7.	किचन गार्डन विकास	14	100	500
8.	ग्राम पंचायत को कचरा मुक्त बनाना	1	1145	6000
9	जनप्रतिनिधियो का क्षमतावर्द्धन	32	725	725
10	स्वयं सहायता समूहों का गठन	14	219	65 बैठक

शादी : बच्चों का खेल नही

परियोजना का नाम	शादी : बच्चो का खेल नही
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लॉक, ओसिया,जोधपुर जिला
वितीय सहयोग	सेव द चिल्ड्रन
परियोजनाप्रारम्भ	जुलाई 2018
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–दिसम्बर 2020
परियोजनापूर्ण दिनांक	01 जनवरी 2021 से समाप्त है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन उरमूल ट्रस्ट ,बीकानेर और सेव द चिल्ड्रन के द्वारा संयुक्त रूप से जुलाई 2018 से जोधपुर जिले के ओसियां ब्लॉक की 5 ग्राम पंचायतों के 13 गांवों में किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : बालिकाओं के शैक्षिक, जीवन कौशल विकास एवं सशक्तिकरण करने के उद्देश्य के साथ ही बाल विवाह रोकने के प्रति बालिकाओं एवं जन समुदाय में जागृति के माध्मय से समझ विकसित करनाएवं युवा को बाल विवाह से होने वाल दुष्परिणामों को अवगत करवाते हुएं उनकी समझ विकसित करना।

परियोजना प्रगति विवरण :

क्र.स.	विवरण	बैठक सत्र् आयोजन	संभागी				
			लडकिया 15–18 वर्ष	लडकिया 19 वर्ष +	लडके 15–18 वर्ष	लडके 19 वर्ष +	कुल
1.	किशोर–किशारी लीडरस् पाक्षिक बैठक	76	1916	829	96	170	3011
2.	जीवन कौशल विकास एवं शिक्षा प्रशिक्षण	574	3273	1367	142	78	4860
3.	यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकार सत्र्	244	2477	340	00	00	2817
4.	किशोर–किशोरी समूहों मासिक बैठक	311	1826	1542	136	59	3563
5.	यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकार जानकारी	01	15	64	00	03	82
6.	किशोरी बालिकाओं के साथ गतिविधियां	02	1084	16	00	02	60
7.	खेलकूद, भाषण एवं नुक्कड नाटक	01	188	10	00	00	198
8.	बल संरक्षण एवं ग्राम स्वास्थ्य,स्वचछता एवं पोषण समिति सुदृढीकरण	115	172	747	110	492	1521
9.	कानून प्रवर्तन संस्थानों का भम्रण	01	03	01	00	00	04
	कुल	**1325**	**10954**	**4916**	**484**	**804**	**16116**

विशेष :

- लैगिक समानता के क्षेत्र में उत्कर्ष कार्य करने के लिए परियोजना से जुडी बालिका सुश्री जसोदा का अर्न्तराष्ट्रीय बाल शान्ति पुरूस्कार 2020 के लिए नाम नामांकित हुआ।
- बालिका फाउन्डेशन का गठन किया है ताकि परियोजना समाप्ति के बाद भी कार्य सुचारू चल सके।
- इस परियोजना से सीधे रूप 13 गांवों की 4133 बालिकाएं लाभान्वित हुई है।

मरुधरा में जल स्वावलम्बन कार्यक्रम

परियोजना का नाम	मरूधरा में जल स्वावलम्बन कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लॉक, श्रीडूंगरगढ, बीकानेर जिला
वितीय सहयोग	यूरोपियन यूनियन द्वारा उन्नती संस्थान
परियोजना प्रारम्भ	जुलाई 2019
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–30 सितम्बर 2020
परियोजना पूर्ण दिनांक	सितम्बर 2020

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन यूरोपियन यूनियन द्वारा उन्नती संस्थान के सहयोग से बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ ब्लॉक के 30 गांवो में जुलाई 2019 से संचालन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : प्राकृतिक जल स्रोतो का संरक्षण, जल स्रोतो की देंखभाल के लिए सामुदायिक भागीदारी बढाना व जागरूकता लाना एव ग्राम पंचायत विकास प्लान (जी.पी.डी.पी. प्लान) मे शामिल करवाने हेतु प्रस्ताव तैयार करवा कर जल संरक्षण समिति के माध्यम से ग्राम पंचायतो को सौप कर प्राकृतिक जल स्रोतो का निमार्ण एवं मरम्मत कार्य करवाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

गतिविधि आयोजन :

क.स.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम आयोजन	सम्भागी		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जल सरंक्षण समिति गठन	30	42	290	332
2.	सेवा प्रदाताओं के साथ बैठक	28	130	140	270
3.	ग्राम पंचायतो की बैठको मे भागीदारी	05	250	30	280
4.	युवा प्रशिाक्षण	01	01	32	33
5.	जल सरक्षण समिति सदस्यों का प्रशिक्षण	01	03	25	28
6.	नये जनप्रतिनिधि एवं फर्टलाईन वर्कर प्रशिक्षण	05	54	125	179

ग्राम विकास प्लान प्रस्तुत किये :

क.स.	विवरण	संख्या
1.	जोहड प्रस्ताव	44
2	स्कूल प्रबन्धन समिति द्वारा शौचालय, भवन व चारदीवरी निर्माण	30
3	ग्राम स्वास्थ्य एंव स्वच्छता समिति द्वारा दिये गये प्रस्ताव	07
4	प्रधानमंत्री आवस व व्यकितगत कुण्ड निमार्ण के प्रस्ताव	75

विशेष :

- 07 लोगों के व्यक्तिगत कुण्ड निमार्ण व छत से लिकेंज का कार्य नरेगा के तहत हुआ है।
- 05 जोहड निमार्ण का कार्य एवं 01 जोहड मरम्मत का कार्य नरेगा के तहत हुआ है।
- 01 गांव मे चारागाह जमीन पर 2000 पौधे नरेगा के तहत लगवाये गये है।
- 06 सार्वजनिक कुण्ड एवं 01 सार्वजनिक जलहोद निर्माण का कार्य नरेगा तहत हुआ है।
- 02 श्मशान भूमि की चारदीवारी निमार्ण कार्य हुआ।
- गठित जल संरक्षण समितियों एवं सेवा प्रदाताओं के साथ नियमित बैठकों का आयोजन।
- समितियों द्वारा दिये गये ग्राम विकास प्लान का नियमित फोलोउप किया गया।

एनर्जी इनोवेशन्स इन डेजर्ट इको सिस्टम कार्यक्रम

परियोजना का नाम	एनर्जी इनोवेशन्स इन डेजर्ट इको सिस्टम कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, जोधपुर, नागौर, श्रीगंगानगर एवं जैसलमेर
वितीय सहयोग	सेल्को फाउन्डेशन-SELCO Foundation
स्हयोगी संस्थाएं	उरमूल सेतु ,उरमूल सीमान्त, ओरेकल, आर.आर.ए.एन. एवं एच.डी.एफ.सी.बैंक
परियोजना प्रारम्भ	सितम्बर 2019
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	01 अप्रेल 2021 समाप्त है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर एवं जैसलमेर जिले में सितम्बर 2019 से किया जा रहा है ताकि दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के जन समुदाय को एनर्जी इनोवेशन की आवश्यकता, महत्व एवं उपयोगिता के बारे में समझ विकसित करते हुएं इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हुएं रोजगार के नये अवसरों की उपलब्धता को बढाया जा सके।

मुख्य उद्देश्य : मौजूदा सामाजिक उद्यम की मूल्य श्रृंखला में संतुलित एवं अक्षय ऊर्जा को लेकर निवेश को प्रोत्साहन देना, थार रेगिस्तान के समुदाय के लिए रोजगार के नये अवसरों का विकास करना एवं मौजूदा मूल्य श्रृंखलाओं कशीदाकारी, कृषि, डेयरी एवं पशुपालन को नवाचार के माध्यम से मजबत करना।

परियोजना प्रगति विवरण–गतिविधी :

क.स.	गतिविधि	संख्या	लाभार्थी
1.	शिल्प केन्द्रों की योजना एवं निर्माण	04	200 दस्तकार
2.	बुनाई केन्द्रों पर सौलर करघों की स्थापना	02	10 बुनकर
3.	बल्क मिल्क चिलर निर्माण–बज्जू कैम्पस	01	500 ऊटपालक
4.	सामुदायिक सुविधा केन्द्र निर्माण–सी.एफ.सी.	02	1500 पशुपालक

क्राफ्ट :

- डेली तलाई, 7 ए.डी. डण्डकला एवं गोकुल में 4 शिल्प केन्द्रों की योजना एवं निर्माण।
- नापासर में बुनाई केन्द्र का डिजाइन एवं निर्माण।
- नापासर प्रशिक्षण केन्द्र में 2 सोलर करघों की स्थापना।
- बुनाई इकाई में निर्बाध बिजली एवं गुणवता उत्पादन के लिए सौर पैनलों की स्थापना।

एग्रो–डेयरी :

- दूध के भण्डारण और प्रसंस्करण के लिए बज्जू में एक बल्क मिल्क चिलर का निर्माण एवं स्थापना।
- लूणकरणसर एवं बज्जू में पशु चारा इकाई का विकास एवं स्थापना।
- उरमूल डेमो फार्म में एक बायो गैस इकाई की स्थापना।
- उरमूल खेजडी, नागौर में एक सौर ऊर्जा से चलने वाली मसाला पिसाई इकाई की स्थापना।
- उरमूल डेमो फार्म में घी प्रसंस्करण एवं मावा बनाने की इकाई की स्थापना।
- उरमूल, बज्जू में हर चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए हाइड्रोपोनिक इकाई की स्थापना।

पशुपालन :

- पशुपालकों के लिए कालू में सामुदायिक सुविधा केन्द्र का निर्माण।
- पशुपालकों के लिए बनाए गये सामुदायिक सुविधा केन्द्र पर सौर ऊर्जा पैनल की स्थापना।
- ऊन कटाई के लिए शेयरिंग इकाई एवं पशुओं के टीको के लिए प्रशीतन इकाई की स्थापना।
- सामुदायिक सुविधा केन्द्र में रोशनी, पंखे एवं चार्जिग इकाई जैसी सेवाओं के प्रावधान एवं स्थापना।

द कैमल पार्टनरशिप कार्यक्रम

परियोजना का नाम	द कैमल पार्टनरशिप कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, जोधपुर एवं जैसलमेर
वितीय सहयोग	फ्रेडस् ऑफ वुमैन वर्ड बैंकिग-FWWB & RRAN
स्हयोगी संस्थाएं	राज.सरकार, सेल्को फाउन्डेशन, सेन्टर फॉर पास्टोरलिस्म, डेजर्ट रिर्सोस सेन्टर, बास्क रिसर्च फाउन्डेशन, ऐक्सिस बैंक फाउन्डेशन, वेटरनरी विश्वविधालय, सहजीवन, राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र एवं उरमूल सीमान्त
परियोजना प्रारम्भ	दिसम्बर 2019
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	01 अप्रेल 2021 समाप्त है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर एवं जैसलमेर जिले में ऊंट वहां के लोगो के जीवन में परिवार जन की तरह है। मरूस्थल की कठिनाईयों में इस जीव ने अपनी जगह बनाई है। राजस्थान में इस पशु का अस्तित्व खतरे में है। थार रेगिस्तान में ऊंट आजीविका के पारंपरिक साधनों में प्रमुख रहा है। लेकिन समय के साथ–साथ ऊंट अपनी पहचान खोता गया। 2012 की पशु जनगणना में राजस्थान में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी जो कि 2019 में घटकर 2.13 लाख रह गई है। इन स्थितियों को मध्यनजर रखते हुएं दिसम्बर 2019 से इस परियोजना का संचालन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : इस परियोजना के माध्यम से 6000 ऊंटपालकों की आजीविका के लिए समावेशी, जवाबदेह सहयोगी और स्थाई उद्यम पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन देना एवं इस पशु को जनसमुदाय के लिए आजीविका का एक मुख्य संसाधन बनाने की दिशा में पशुपालको को जागरूक करके उनकी समझ को विकसित करना।

परियोजना प्रगति विवरण : गतिविधि आयोजन :

क.स.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम आयोजन	सम्भागी		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	ग्राम स्तरीय समिति बैठक	55	10	942	952
2.	ग्राम स्तरीय ऊंटपालक प्रशिक्षण	13	06	334	340
3.	यूथ कैडर प्रशिक्षण	03	03	80	83
4.	भूज डेयरी मॉडल भ्रमण	01	00	22	22
5.	द कैमल पार्टनरशिप नेटवर्क बैठक सेल्को, एलपीपीएस, एफईएस, बहुला नेचुरल्स् आदि।	14	36	163	199
6.	ऊंट टीकाकरण शिविर	34	05	350	355
7.	ऊंट फेडरेशन बैठक	09	04	426	430
8.	ऊंट फेडरेशन कार्यकारिणी बैठक	04	00	60	60
9.	द कैमल पार्टनरशिप कलस्टर टीम बैठक	03	05	40	45
10.	ऊंटनी दूध की पायलट बिक्री से लाभार्थी	–	00	50	50
11.	विभिन्न विभागों के साथ पैरवी स्तर की बैठक पशु पालन विभाग, काजरी, राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान परिषद आदि	12	04	50	54
	कुल	**148**	**73**	**2517**	**2590**

ऊंटनी दूध की पायलट बिक्री : ऊंटनी दूध की पायलट बिक्री लगातार 15 दिन की गई। जिसमें 150 लीटर ऊंटनी दूध बिक्री किया गया जो कि बाजार में ऊंटनी के दूध की आवश्यकता को दर्शाता है।

ग्रामीण बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम

परियोजना का नाम	ग्रामीण बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, जोधपुर, नागौर एवं जैसलमेर
वितीय सहयोग	मलाला फण्ड-Malala Fund
स्हयोगी संस्थाएं	डेजर्ट रिर्सोस सेन्टर, उरमूल सेतु ,लूणकरणसर एवं उरमूल सीमान्त, बज्जू
परियोजना प्रारम्भ	सितम्बर 2020
प्रतिवेदन अवधि	सितम्बर 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : कोविड–19 की परिस्थितयों में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा, विशेष कर बालिकाओं की शिक्षा को लेकर उभरी स्थितियों को मध्यनजर रखते हुएं इस परियोजना का संचालन सितम्बर 2020 किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : कोविड–19 की स्थितियों में ग्रामीण क्षेत्र के 6000 बच्चों की शिक्षा को डिजिटल माध्यमों के द्वारा निरन्तर जारी रखने, उनके शैक्षणिक स्तर में उन्नयन एवं शिक्षा से वंचित/ड्रापआऊट 500 बालिकाओं के लिए निरन्तर शिक्षा को जारी रखते हुएं डिजिटल माध्यम से शिक्षा व्यवस्था के साथ प्रभावी जुडाव बनाना।

परियोजना प्रगति विवरण :

इस परियोजना के सफल संचालन के लिए सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं संस्था के कार्यकर्ता के साथ दिनांक 16 अगस्त 2020 को प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधयों सहित 11 लोगो ने भाग लिया। इस बैठक में परियोजना के उददेश्य, लक्ष्य एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर चर्चा एवं विचार विमर्श करने के बाद परियोजना के प्रभावी संचालन के लिए आगामी नियोजन किया गया।

गतिविधि आयोजन :

क.स.	गतिविधि का नाम	सम्भागी		
		बालक पुरूष	बालिका महिला	कुल
1.	ओपन स्कूल परीक्षा हेतु बालिकाओं का नामांकन	00	962	962
2.	डिजिटल शिक्षा हेतु बालिकाओं का चयन	00	3244	3244
कुल		**00**	**4206**	**4206**
3.	ओपन स्कूल परीक्षा से जोडी गई बालिकाओं का समूह गठन	00	25	25
4.	बालिकाओं के साथ कलस्टर स्तरीय गतिविधियों का आयोजन	00	186	186
5.	बला सेनिटरी नेपकिन वितरण एवं महावारी प्रबन्धन कार्यशाला का आयोजन	00	250	250
6.	समशिक्षा परियोजना के कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाईन प्रशिक्षण	20	18	38
7.	समशिक्षा परियोजना के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजन	24	20	44

उरमूल प्राकृतिक रंगाई कलस्टर कार्यक्रम–स्फूर्ति

परियोजना का नाम	उरमूल प्राकृतिक रंगाई कलस्टर कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर जिला
वितीय सहयोग	इंडियन माइक्रो एंटरप्राइजेज डवलपमेंट फाउन्डेशन-IMEDF
स्हयोगी संस्थाएं	डेजर्ट रिर्सोस सेन्टर एवं उरमूल सीमान्त, बज्जू
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2020
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2020–मार्च 2021
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय :

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उधोग मंत्रालय के सहयोग से परियोजना संचालित की जा रही है। इस कार्यक्रम में उरमूल ट्रस्ट क्रियान्वयन कार्यकारी एजेन्सी, उरमूल सीमान्त एस.पी.वी. एजेन्सी एवं डेजर्ट रिर्सोस सेन्टर तकनिकी एजेन्सी के रूप में कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम में पारम्परिक ढंग से काम रहे उधोगो के साथ 650 पारम्परिक दस्ताकारों को जोडा जायेगा। कार्यक्रम के तहत उरमूल सीमान्त परिसर,बज्जू में एक भवन का निर्माण भी किया जायेगा। जिसमें प्राकृतिक रंगाई का कार्य किया जायेगा।

मुख्य उद्देश्य :

पारम्परिक तरीकों से काम कर रहे उधोगों एवं दस्तकारों को फिर से पारम्परिक कला से जोडकर उनका कौशल विकास करना तथा उनके कौशल को रोजगारमुखी बनाने की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करते हुएं स्व–रोजगार की दिशा में आगे बढाना ताकि पारम्परिक कला को जीवित रखने के साथ ही दस्तकारों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा सके। इसके साथ ही दस्तकारों को बाजार व्यवस्था में मॉग के अनुसार नई कला एवं डिजाईन के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना व मार्गदर्शन एवं सहयोग करना।

परियोजना प्रगति विवरण :

गतिविधि आयोजन :

क.स.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम आयोजन	सम्भागी		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	महिला दस्तकारों का डाटा ऑनलाइन करना	01	650	00	650
2.	उधमिता प्रशिक्षण का आयोजन	01	39	00	39
3.	सपोर्ट क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन जैसे : ऐप्लिक, कशीदा, मुक्का कशीदा, सिलाई एवं नये उत्पाद तैयार करना	26	572	00	572

विशेष :

- डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम हॉल तैयार करना का कार्य शुरू किया जा चुका है।
- सामान्य सुविधा केन्द्र(सी.एफ.सी.) निर्माण का नक्शा तैयार करवाकर नींव रखी जा चुकी है।